Need to declare International Airport Status to Raipur Airport in Chhattisgarh

श्री बृजमोहन अग्रवाल **(रायपुर) :** माननीय सभापति जी, पूरे देश में लगभग 25 से 30 परसेंट लोहा, सीमेंट, बॉक्साइट, कोयला और बिजली छत्तीसगढ़ राज्य पैदा करता है । यहां की आबादी 32 परसेंट ट्राइबल और 12 परसेंट अनुसूचित जाति की है । यहां 42 परसेंट हिस्सा जंगल से जुड़ा हुआ है जबकि रेलवे सिर्फ 25 प्रतिशत है । हम चाहते हैं कि छत्तीसगढ़ में रायपुर एयरपोर्ट को इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाया जाए ताकि छत्तीसगढ़ राज्य का सही से विकास हो सके ।

महोदय, पूरे देश के 25 प्रतिशत रेवेन्यू में छत्तीसगढ़ का बड़ा योगदान है, लेकिन इसके बावजूद रायपुर एयरपोर्ट को इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाने के लिए जो कार्रवाई की जानी चाहिए, वह नहीं की जा रही है । छत्तीसगढ़ में चार और एयरपोर्ट्स हैं, जगदलपुर, बिलासपुर, रायगढ़ और अम्बिकापुर । इन चारों एयरपोर्ट्स को इस प्रकार से विकसित किया जाए ताकि रात्रिकालीन सेवाएं चल सकें और विश्व से छत्तीसगढ़ में लोग आ सकें ।

मेरी मांग है कि यहां इमिग्रेशन ऑफिस, एक्साइज ऑफिस, कार्गो टर्मिनल और बेहतर पार्किंग बनाने के लिए रात्रि कालीन सुविधाएं दी जाएं और इसे अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का दर्जा दिया जाए । इसके लिए छत्तीसगढ़ सरकार लगातार पूरी सुविधाएं देने के लिए तैयार है, जमीन देने के लिए तैयार है । अगर कोई फाइनेंशियल जरूरत है तो इसे भी देने के लिए तैयार है ।

मैं आपके माध्यम से सरकार और माननीय मंत्री जी से आग्रह करता हूं कि देश के रेवेन्यू में जो राज्य 25 प्रतिशत आर्थिक योगदान देता है, ऐसे राज्य के एकमात्र हवाई अड्डे को अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा बनाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए । आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद ।